बेटियों को बचाओ : दाती

दाती महाराज ने किया समाज के सभी वर्गों से आह्वान

भारत सनातन से संस्कारों का वटवृक्ष है। हमारे यहां ऋषियों व सिद्ध महात्माओं ने संयम, जप व तप के बल पर भारत की भूमि को ऊर्जा से भर दिया है। श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान महावीर, बुद्ध का एक ही मत था जियो और जीने दो। उन्होंने ईर्ष्या को खत्म करने और अहिंसा को अपनाने के लिए जन-जन तक संदेश पहुंचाया। यह बात श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दातीजी महाराज ने अपने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान जबलपुर में आयोजित जनसभा में कही। इस मौके पर उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीति को समाज से उखाड़ फेंकने का आह्वान वहां उपस्थित लोगों से किया। उन्होंने कहा कि यदि हमें मानव जीवन को बचाना है तो हमें बेटियों को बचाना होगा। संसार की उत्पत्ति नारी से ही है, नारी नहीं होती तो न भगवान महावीर, श्रीराम और श्रीकृष्ण होते और न ही आप या मैं होता। इसलिए हमें कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगानी होगी, नहीं तो विनाश निश्चित है। उन्होंने कहा कि नारी भारी थी, भारी है, और भारी रहेगी। पुरुष आभारी है और सदा आभारी ही रहेगा। दाती महाराज ने कहा कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति को कन्या भ्रूण हत्या पर लगाम लगाने के लिए अग्रसर होना चाहिए। ये भारत के प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है। बेटी को बचाना होगा।

भ्रष्टाचार मिटाने युवा जागें : दाती महाराज ने कहा कि भ्रष्टाचार मिटाने के लिए भारत की युवा शक्ति को जागना पड़ेगा। जब तक भ्रष्टाचार के विरोध में भारत की युवा शक्ति आगे नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार नहीं मिट सकता। लेकिन हाल ही में हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन ने यह साबित कर दिया है कि शीघ्र ही सत्य का साम्राज्य आएगा। ज्योतिष की गणना के अनुसार मेरा मत है कि जैसे ही शनिदेव तुला राशि में प्रवेश करेंगे, वैसे ही हर क्षेत्र में सत्य का साम्राज्य स्थापित होगा।

प्रकृति बनाएगी संतुलन : 2012 में दुनिया के खत्म होने की चर्चा पूरे विश्व में फैली हुई है। इस विषय पर जब दाती महाराज से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारत के महान संत दरिया साब ने कहा कि- को कारण जो हदे मिटाये, जो सोचे व खुद मिट जाये। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ की गई छेड़छाड़ के कारण प्रकृति अपना संतुलन बनाएगी। मेरा 40 वर्ष के जप, तप और अध्ययन में ऐसा कुछ समझ में नहीं आता कि 2012 में दुनिया खत्म हो जाएगी। उन्होंने राजनीति के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि धर्म में राजनीति विनाश का कारण है। धर्म में राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजनीति में धर्म का समावेश हो सकता है। सभी को धर्म की डगर पर चलना ही पड़ेगा।

शनि न्यायप्रिय देवता हैं : जब दाती महाराज से प्रश्न किया गया कि भगवान शनि से सभी मनुष्यों को डर क्यों लगता है? तो उन्होंने कहा कि भगवान शनि तो न्यायप्रिय देवता हैं। शनि कर्म के कारक हैं। भगवान शनि को खुश रखने के लिए माता-पिता की सेवा, अहिंसा और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना रखने वाले को भगवान शनि कभी कष्ट नहीं देते। जिस घर में धर्म, कर्म और सत्य का पालन किया जाता है, उस घर के लोगों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता और वे जीवन भर खुश रहते हैं। शनि सूर्य पुत्र, भगवान सदाशिव के शिष्य और भगवान कृष्ण के भक्त हैं। भारत का भाग्येश और कर्मेश शनि है। इसलिए दुनिया की कोई भी ताकत भारत को कष्ट नहीं पहुंचा सकती।